

हिंदी (Hindi)

सामान्य निर्देश :

- पहला पंद्रह मिनट कूल ऑफ़ टाइम है। इस समय प्रश्नों का वाचन करें और उत्तर लिखने की तैयारी करें।
- वैकल्पिक प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखें।

सूचना : 'फूल' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और 1 से 3 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

एक ही भाव से
हमेशा दहकते रहते हैं ये फूल
मैं इन्हें देर तक देखता रहा-
फिर आँखों में उतरा गए चुभते हुए-से
अपने आँगन के खिलते-मुरझाते फूल
घर पहुँचते ही उन्हें उखाड़ फेंका
और दहकते हुए बाज़ार को सजा दिया
घर के पूरे अंतराल में

1. घर पहुँचते ही उन्हें उखाड़ फेंका। किनको ? 1
(क) प्लास्टिक पौधों को (ख) कागजी पौधों को
(ग) असली पौधों को (घ) सूखे पौधों को
2. 'हमेशा दहकते रहते हैं ये फूल' -कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा? 2
3. पहचानकर लिखें कि कौन-सा क्रम सही है? 3

(च) चुभते हुए-से	(त) बसंत के आगमन की सूचना है।
(छ) बहार आना	(थ) असली फूलों की विशेषता है।
(ज) खिलना-मुरझाना	(द) प्लास्टिक फूलों का प्रतीक है।
	(ध) मन में व्यथा उत्पन्न होने का संकेत है।

क	ख	ग	घ
च - ध	च - द	च - ध	च - द
छ - त	छ - ध	छ - द	छ - त
ज - थ	ज - त	ज - त	ज - ध

सूचना : 'झटपट और नटखट' कहानी का यह अंश पढ़ें और 4 से 6 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

अचानक उसका पाँव फिसला और वह पानी में गिर पड़ा। पानी का बहाव तेज़ था और नटखट को तैरना नहीं आता था। छोटा-सा ही तो था। बह गया। डूबते-उतराते दूर जाने लगा। झटपट को तैरना आता था। उसने झट अपना बस्ता पीठ से उतारकर पुल की मुंडेर पर रखा और नदी में कूद पड़ा।

4. सही वाक्य चुनकर लिखें। 1
- (क) छोटा भाई नदी में बह रही है। (ख) छोटा भाई नदी में बह रहा हूँ।
 (ग) छोटा भाई नदी में बह रहे हैं। (घ) छोटा भाई नदी में बह रहा है।
5. नटखट पानी में बह गया। क्यों? 2
6. नदी में डूबते-उतराते हुए नटखट बहुत डर गया था। इस अनुभव पर नटखट की डायरी लिखें। 4

अथवा

नदी से बचने के अनुभव का जिक्र करते हुए मित्र के नाम नटखट का पत्र लिखें।

सूचना : 'घर' कहानी का यह अंश पढ़ें और 7 से 9 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

"क्या तुम उनकी बात कर रही हो जो शरीर पर से एक तरह के कपड़े उतार कर दूसरी तरह के कपड़े पहनते रहते हैं? पर वो तो केवल रात में रहने के लिए यहाँ आते हैं। उसमें भी ज्यादातर समय सोए रहते हैं।"

7. पर वो तो केवल रात में रहने के लिए यहाँ आते हैं। छिपकली किसके बारे में ऐसा कहती है? 1
- (क) शांतिदास के बारे में (ख) गिरगिट के बारे में
 (ग) गिलहरी के बारे में (घ) फरहाद के बारे में
8. कहानी के लिए घर शीर्षक कहाँ तक उचित है? अपना विचार लिखें। 2
9. 'प्रकृति का न करें शोषण। यही है जीवन का पोषण' का संदेश देते हुए एक पोस्टर तैयार करें। 4

अथवा

'प्रकृति है तो जीवन है।' -विषय पर आपके स्कूल में संगोष्ठी चलाने वाली है। इसके लिए एक पोस्टर तैयार करें।

सूचना : 'बहुत दिनों के बाद' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें, प्रश्न 10 और 11 के उत्तर लिखें।

बहुत दिनों के बाद
अबकी मैं जी भर छू पाया
अपनी गँवई पगडंडी की चंदनवर्णी धूल
-बहुत दिनों के बाद

बहुत दिनों के बाद
अबकी मैंने जी भर तालमखाना खाया
गन्ने चूसे जी भर
-बहुत दिनों के बाद

10. समान आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें। 2

मनपसंद देहाती खाना चखने का मौका मिला।

11. कोष्ठक के शब्दों की मदद से वाक्य विस्तार करें। 3

(चंदनवर्णी, जी भर, धूल)

मैं छू पाया।

सूचना: 'झटपट और नटखट' कहानी का यह अंश पढ़ें, प्रश्न 12 और 13 के उत्तर लिखें।

कभी स्कूल जाने के लिए देरी होती देख नटखट का हाथ पकड़कर अपने साथ दौड़ाना भी पड़ता। झटपट परेशान हो जाता और घर लौटकर माँ से शिकायत करता, "माँ, छोटा बहुत परेशान करता है।" "छोटा है न!" माँ मुसकरा देती, "और बड़े को तो छोटे का ध्यान रखना ही पड़ता है।"

12. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें। 1

(क) मित्र के कारण झटपट परेशान हो जाता है।

(ख) पड़ोसी के कारण झटपट परेशान हो जाता है।

(ग) छोटे भाई के कारण झटपट परेशान हो जाता है।

(घ) पिता के कारण झटपट परेशान हो जाता है।

13. उपर्युक्त प्रसंग पर माँ और झटपट के बीच की संभावित बातचीत लिखें। 4

सूचना : 'घर' कहानी का यह अंश पढ़ें, प्रश्न 14 और 15 के उत्तर लिखें।

"मैं आज घर बदल रही हूँ।" छिपकली ने मुसकराते हुए कहा। "तुम श्रीमान फरहाद को तो जरूर जानते होगे।" "हाँ, हाँ पहले जब भी हम मिले हैं, तुमने उनका जिक्र किया है। क्या हुआ उन्हें?" गिरगिट ने गिरगिटी आवाज़ में कहा। "हुआ कुछ नहीं बुद्धू! वे जिस किराए के कमरे में रहते थे, अब नहीं रहते। उन्होंने अपना नया घर बना लिया है।" छिपकली ने कहा।

14. छिपकली क्यों घर बदल रही होगी? 2
15. संकेतों की सहायता से फरहाद की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी लिखें। 4
- सहजीवियों से प्यार करने वाला
 - अकेले रहने वाला
 - मकान में थोड़ी-सी जगह लेने वाला
 - शांत स्वभाव रखने वाला

अथवा

'प्रकृति सबका घर है।' -विषय पर लघु लेख लिखें।

सूचना : कवितांश पढ़ें और प्रश्न 16 का उत्तर लिखें।

थोड़ी धरती पाऊँ

पेड़ों के संग बढ़ना सीखो,
पेड़ों के संग खिलना
बच्चे और पेड़ दुनिया को
हरा-भरा रखते हैं
नहीं समझते जो, दुष्कर्मों
का वे फल चाखते हैं।
आज सभ्यता वहशी बन,
पेड़ों को काट रही है

-सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(संग - साथ, वहशी - क्रूर)

16. इस कवितांश का आशय लिखें।

4